

॥ वरु विरुद्रय विमदुम अन्नायल मरुतवनि ॥ ॐ
॥ ० ॥ आग ॥ विद्वत्सभावेरु दिनकरमशुल ला
उमगि युवनजननि रवकर कन वृत्तवितिनयन मान
वृत्तमन कंदनि ॥ द विरुद्रय कथावधवा रुषिभनव
रिवमाना एक मयक निम दूयिमाया वाजयिनावयि
रुद्रगवृषिनि ॥ च विरुद्रय कथ कथुल कथि कथुल

ववि ववि वष्वन ॥ १ ॥ ह ॥ ३३ यिसय वीस सा वृ न ॥
 ध्र ॥ ० ॥ वाण धना णी ॥ स वा का गाम हा सुख क न
 यिः वव भान न द दा हानि २ गिरु व न न रु लि मा ड म हा सु
 स या याः व लु स र्च दू यि म लि या ॥ न या य वि ना न य वृ मि
 २ गिरु व न न क स नू य नि २ स र्वे वि क य वि ध स न द वि
 अ न ग व ह न व व दाय नि ॥ ध्र ॥ अ मि ना ह म लु ल ड

द या थि मिः क र्पो न व सि ल लू यि नि २ क व नि ष य व र
 ल्या र्ग धा विः य ह ष्म न व ल दाय नि ॥ ध्र ॥ दि गी म्ब व
 याम क ग क सिः व वि कू ल क मि धा व नि २ म य व
 ला व क स ग वाः वा व व ड न ल सि व मा वा ॥ ध्र ॥
 स र्वे ग धा ग ग ड न लि द विः वि व हि ग ता वा २ वा व

जजागानिचलनसि यणः गमयिसमचसं वजा॥

५२ ॥ ० ॥ वागविगास॥ बाललंजनि॥ धयधयदूधयधयध
यं रक्षायधययवकीसिया॥ मर्दमर्दवजुधुकुसमय॥ कुदुयुजागस
वीयवय॥ कुवु कुवु वजधर्मसमय॥ २० श्री लालिकवली वय॥
कुजलि कुजलि ददवय॥ सुसमावचसित कमलवय॥ वजसूज
शृङ्गाने कभा २ विधमयसमय सदागमर्द॥ वगना धकववव

जाः यकलिकल कमालधय॥ गमयगनिस्यतावयवर्म २ सा
सगसद इ सतावधय॥ नंदिनदि दिनदिकसमय॥ कायनिव
ननचवव वय॥ हं हं हि दीयल धुकुसुगता २ मयलमठिग
यलवसुख॥ हं हं हं अठिभः चलनवर्लः यलमामिसुलनवज
जिवः॥ ॥ वागमूर्दुकी॥ कालेय २ म॥ बालमा ०॥ हादा
शरवः॥ कियं वसुखः धययिकवलि यहासा २ दुमवाली

एतन्निष्ठुयामूसानमूकककडादिगम्यवा॥ यत्रमात्रुसंख्यवयाय
:सरुजसुदत्रमात्रुकाया २ रुमविवाहित्रः वजवावाहि
रुजमहिभाकरसया॥ ६॥ लिगाजनवत्रसुहमयनः
कयलतलयिगम्याना २ गगधनिवावर् वन्धित्रकात्रा मनुमव
लरावल्लिना॥ ॥ गियधनयागवृ कादि (गलोसम्यल युविसयि शुभ
तडात्रा २ रुमविवाहित्र वजवावाही रुद्रविनूयषट् अन्धवा

गावैत्तपलीलावजक यियालिर्गण सनगुक्चवणआवाधो॥
समयानन्द रुलिगत्रामकुल संख्यवजवावाही॥ ॥ ॥
॥ - ॥ ॥ वागमात्रुगा॥ ॥ ठात्रुनि ॥ चकाचकीमादिल द
हिनीयव्याली २ रुथिकालअभाद्यसिद्धि वगनसंमाधः॥
उपाहलवजकवालि २ षण्डनकादिल नीलवर्णस्यता
व॥ ॥ रुथिकालआकागिरुक्च सरुजस्यराध २ सर्वसत्य

श्रीकृष्ण

उधाराय गीतचक्रामः ॥ यथागतं यथागतं कः ॥ यथागतं यथागतं
२ यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं ॥ यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं
लुप्तमदकलागः ॥ यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं ॥ यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं
५२ ॥ ॐ ॥ यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं ॥ यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं
कथितं यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं
यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं

ला ॥ यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं ॥ यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं
या ॥ यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं ॥ यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं
गिनी कमय विहासि गीता महासुरवर्मा लिपि सादे ॥
वज्रवाजा सीता लिगण समुद्र नाचयि वज्र विरुह ॥ यथागतं यथागतं यथागतं यथागतं
कुलिका लयि व्रीह निरेव अर्द्ध लु वरु लन पसादे ॥
सरुज सरुहिलिया गावग कर्णुपा हं वरु वलन पसादे

५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

मानि मुक्ताय चालि मालवव्या पियात्र शा सं मा धि शा म म्वन
मा धि कालवक सं वजा विष्णु दानु थया २ नाना वा धिसत्त्व अ
वा दनं वा विमानवव्या पियात्र ॥ मिरुनादवा क्रियात्र उ
मनुवाजन पियात्र अथुया गिलादि पियात्र २ जीर्ण धनियुता
कलुया गाव पिया चालि मानवव्यवक थ पियात्र ॥ ५४ ॥
ॐ ॥ नाग वला ॥ ठालज नि ॥ इदि रुवन कम या मुने

३५

ॐ किंचनं ललितगयदवल्लभा २ निम्नल्लदगयद २ दामय
 ३ नाथा २ दिश्रुगयवल्लयदामोभा २ कृष्णदिदेयुगय २ मल्लना
 ४ २ विरुवनवापिगजगगद २ लिय २ यदासामिदुगमेलाके २
 ५ याशाकनकनगनमदि २ हात्रविरुषिग २ कनकसुगवुन २ मालि
 ६ २ वामकमल २ लल्लद २ गग २ सरुजानन्दमन २ नि २ म
 ७ मासलनलयक २ किनल्लगद २ पुरिया २ ललागवल्लन २ दि २ म

2854

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पुष्प ५०

पयिगुलननवकाधय २ माययावकादि सगलधविवाया ना
हासमायाविष्टुन्दथ ॥ ५२ ॥ ददुदिरुदसहैकावय यलमा
मिदहाकाधय २ आसायुन दानयकिन मानविद्यननिववा
लून ॥ ५३ ॥ शिवजसन्ध आवाधियाय अनुरुचसिद्धि माह
यदागा ॥ ५४ ॥ ॐ ॥ वागमधसग ॥ युमादिगणादिदश
सुमिष्टुन्दविसन मेयूमशुलसल्लिगवयना २ द्वादशानुड

यवुवदनसमारा वडवायादि आलिर्गल ॥ ह्रुह्रुह्रुददु
नुवने मानसयनसवाधियाय २ द्वादशालिगल अद्वयम
रावि नाययिदानसम्बन्धयाया ॥ कलिसयलु गजवर्मा वि
गूया कवगिदमव धुरसाशिना २ मद्ययुपिसरकपात्रख
लीग पाणयनलु बुक्रहियधया ॥ ५५ ॥ यरुडिनवनमक
गकुलीकन खलमुडा आरावण ह्यधिया २ अलिकालि उयि

जालिध वाययि यादुवर्म निव्यसनक सुगन ॥ ५५ ॥ निव
सिनमालालम्बशासम्बन दिव्यचक्रगिनि केवलदिया शजल
५५ मजनम भावुदुशयविमन ॥ ५६ ॥ गववयययमाशवजगीगाः ॥
५५ ५५ ॥ योगजलिग ॥ वरवववसंभवा पिरववव मकमुख
५५ विविगारवन जुमनिया शकनकसदधन वामकल क्षालि द
५५ दिगपूरयमूदा सगाम्बना ॥ ५७ ॥ वजिरवद्वे आस्तसागात्र ॥ ५८ ॥

वजद्वर निव्यमद निशुदमद निवजिरव वजवम्बद्वे ॥ वि
धरालसयन निव्यलरववव ॥ ५९ ॥ दिमानलि वदमध्ययुजा
गुमकगीवजमन्ययुजिग शमगुलकसूसाभय ॥ ६० ॥ भय दीदी
दंसादा ॥ ६१ ॥ निमिगिग ॥ ६२ ॥ भन इदिगपाराववद्वे विवि
मिडयदान यजयामि ॥ ६३ ॥ ॥ मिद मतिमानवव रज
नि दविशावसंभवा मगुलमामि ॥ ६४ ॥ ॥ गगगुववन

कमचरित्रधनिगा गवने मायार्थसंयमयना २ रुमिह
 धनविभिगस्य रुचदिसर्वसमान गवने ॥ ५२ ॥ ॥ ॥ ॥
 नाशरेवयी ॥ निम्नोनाम्बुड मध्यगग कथ ॥ ५३ ॥ ॥ ॥ ॥
 य याविधूनिगा २ विधमयगतिन यकपल्वामनि निल
 वल्वजड निवसिथापिया ॥ ५४ ॥ ॥ ॥ ॥
 नाहिगा कर्मवड सदिन युद्धोस्वयपि २ वड ठाव्यागिमग

यविधूनेद्वयना रावसेमृदसगवध विमय रुवना ॥ ५५ ॥ ॥ ॥ ॥
 नाग प्रकृष्टुव स वडिगा यक विगतिरदिन वृत्तकाय २ ददि
 मदलगग वड प्रसमसवय विरुवन सममस सायाय विगु
 दिना ॥ ५६ ॥ ॥ ॥ ॥
 सिद्धिप्रसंसादिना २ रुवदवगन द्य ० धाप्रनादिना १
 इपनस्वयमिति विग्वडनति ॥ ५७ ॥ ॥ ॥ ॥

गामयौगात्रं ॥ अमन्वर्जितं धियाय शय्या विन्यादि
न विधमयये डिगा युलमा मित्रजमन्य डालिग द्विगाः ॥
५२ ॥ ५३ ॥ नागरेन व ॥ ५४ ॥ नागरेन व ॥ नागरेन व ॥ नागरेन व ॥
माथ ॥ निमामि ॥ ५५ ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥
वृत्तं नैपान विद्वत् ॥ वृत्तं नैपान विद्वत् ॥ वृत्तं नैपान विद्वत् ॥ वृत्तं नैपान विद्वत् ॥
रुद्रादसिंतिथी ॥ ॥ पितृनकाले नैपान विद्वत् ॥ पितृनकाले नैपान विद्वत् ॥
गुरुसात्र ॥ ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥

स्याति ५२ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥
वृत्तं नैपान विद्वत् ॥ वृत्तं नैपान विद्वत् ॥ वृत्तं नैपान विद्वत् ॥ वृत्तं नैपान विद्वत् ॥
रुद्रादसिंतिथी ॥ ॥ पितृनकाले नैपान विद्वत् ॥ पितृनकाले नैपान विद्वत् ॥
गुरुसात्र ॥ ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥
स्याति ५२ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥
वृत्तं नैपान विद्वत् ॥ वृत्तं नैपान विद्वत् ॥ वृत्तं नैपान विद्वत् ॥ वृत्तं नैपान विद्वत् ॥
रुद्रादसिंतिथी ॥ ॥ पितृनकाले नैपान विद्वत् ॥ पितृनकाले नैपान विद्वत् ॥
गुरुसात्र ॥ ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥ रुद्रा कोविता ॥

भाइ ॥ यथै वृक्षात्मक सर्वे उपाय २ युध्यक भाग क
थिन कदिय ॥ ओक हि नकु मेरा सुरुनामा ॥ तिर्यगि नुक
मन कलमपन ॥ जालि कयाने मगा धिग किइ २ मथे चलि
यल रुद चलि ॥ वृक्ष चलि चलि वृक्ष गुन ॥ वृक्ष २ नुक निदा
न रु विरु सय व ॥ वृक्ष गि उन जलो यलि मय गि सन वृक्ष
२ वृक्ष विरि रावनया विरि विरि मिद सकल युभाद ॥ गेना
दे २ गेना दे गेना गत दे दे दे ॥ धर ॥ धर ॥

ॐ वा ग र ल वि ॥ रुल सिव मय ग कि वल म लि रा गि न य
वन रुग २ सा हिय वज सन यय म ॥ वृक्ष यड मय व ॥
गार सुनि वरु विथि कथ गार द रुधर ॥ वा विरु रु न
वालि गु रुग न यम रुग ॥ धर ॥ गि रु वन जालि ग म वृति
जुन यायन विन यव वि ॥ नाव विरु सन यय म ॥ वृक्ष
लि न व गि ॥ यस्मि सरु रु कि वल द ग म स य सा हा सर्व वि